कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (20) खण्ड -{39}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1 - अब इस शरीर का कैसे श्रृंगार करना है ?

A- रूहानी यात्रा से

B- श्रीमत पर चलकर

C- ज्ञान योग से

D- अमृतवेला

प्रश्न 2 - मुरली में बाबा ने हिन्दू नाम देने वाला किसे बताया है-

A- इस्लामियों ने

B- क्रिश्चियनों ने

C- बौद्धियों ने

D- स्वयं हिन्दुओं ने

प्रश्न 3 - ओम शान्ति का अर्थ है ?

A- अहम आत्मा का स्वधर्म है शान्त

B- मैं आत्मा शान्ति के सागर की संतान हूँ

C- मैं आत्मा शान्ति धाम की रहने वाली हूँ

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- इनमें से कौनसा सही है ?

A. अहम शरीर मम आत्मा

B- अहम आत्मा मम आत्मा

C- अहम आत्मा मम शरीर

D. A और C

प्रश्न 5- यज्ञ का किला क्या है?

A-मधुबन

B- प्यूरिटी

C- यूनिटी

D- रूद्र ज्ञान

प्रश्न 6- क्या एक शब्द याद रखना है?

A- एकमत

B- एकरस

C- एक बाप

D- तीनों

प्रश्न 7- कौन से शुद्ध संकल्प में रहना है ?

A- बाबा हमारे साथ है।

B- हम भगवान की सन्तान है

C- सफलता होनी ही है

D- स्वयं भगवान हमें पढ़ाता है।

प्रश्न 8-- समय पर क्या काम आता है ?

A- मनसा सेवा

B- श्रेष्ठ कर्मों की पूँजी

C- दुआएँ

D- B और C

प्रश्न 9- कोई क्रोध करे तो क्या करें ?

A- शांत होकर देखते रहो

B- ज्ञान की बातें सुनाओ

C- शिव बाबा को याद करो

D- मुख में ताबीज डाल दो

प्रश्न 10- भगवान से मिलने का रास्ता इनमें से कौन सा नहीं है।

A- गंगा स्नान

B- यज्ञ-तप

C- यात्रा करना

D- पूजा पाठ

प्रश्न 11-- यह ड्रामा है, इसका नाम है..... ?

A- खूने नाहक खेल

B- हार जीत का खेल

C- सुख दुःख का खेल

D- B और C

E- A,B और C

प्रश्न 12- टॉकी से मूवी, मूवी से कहाँ जाना है?

A- टॉकी में

B- साइलेन्स में

C- सुक्ष्म वतन में

D- मूलवतन में

प्रश्न 13- जिससे तुम वर्सा ले रहे हो, अब वह कहाँ है ?

A- परमधाम में

B- सूक्ष्म वतन में

C- नीचे आया हुआ है।

D- ब्रह्मा के तन में

प्रश्न 14 - बाप ने रुद्र ज्ञान यज्ञ रचा है .....किसलिए ?

A. सतयुग की स्थापना के लिए

B. पतित से पावन बनाने के लिए

C. पतित दुनिया के विनाश के लिए

D. घर ले जाने के लिए

प्रश्न 15 - इस अविनाशी रुद्र यज्ञ में किन बातों के कारण विघ्न पडते हैं ?

A- पवित्र बनने के कारण

B- श्रीमत का पालन न करने के कारण

C- भक्ति छोड़ने के कारण

D- A और C

*प्रश्न 16 - इस पुरानी दुनिया से बेहद का वैरागी बनना है.. क्यों?

A- क्योंकि अब इस दुनिया का विनाश होना है।

B- क्योंकि बाप नया घर बना रहे है।

C- अभी सब दुःख देने वाले हैं।

D. सहजयोगी बन जायेंगे।

भाग (20) खण्ड {39} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 C - ज्ञान और योग

अभी तुम ईश्वर की गोद में बैठे हो। मात-पिता की गोद में हो। लॉमुजीब बाप ब्रह्मा मुख से तुमको जन्म देते हैं तो यह माँ हो गई, लेकिन तुम्हारी बुद्धि फिर भी शिवबाबा तरफ चली जाती है। तुम मात-पिता हम बालक तेरे.... शिव-बाबा तरफ लव चला जाता है। तुम सजनियां भी हो। शिवबाबा आया है, तुमको श्रृंगार कर लायक बनाने। *ज्ञान और योग से तुम बच्चों को श्रृंगारते हैं।*

उत्तर 2- A - इस्लामियों ने

पहले तो आदि सनातन देवी-देवता धर्म ही था। फिर जब विकारी हुए तो अपने को देवता कह न सके। तो अपने को आदि सनातन देवी-देवता के बदले आदि सनातन हिन्दू

कह दिया है। आदि सनातन अक्षर भी रखा है। सिर्फ देवता बदली कर हिन्दू रख दिया है। *उस समय इस्लामी आये तो उन बाहर वालों ने आकर हिन्दू धर्म नाम रख दिया।* पहले हिन्दुस्तान नाम भी नहीं था।

उत्तर 3- A - अहम आत्मा का स्वधर्म है शान्त

ओम् शान्ति का अर्थ बाप ने बच्चों को समझाया है। अहम् आत्मा का स्वधर्म है शान्त। शान्तिधाम में जाने के लिए कोई पुरुषार्थ नहीं करना पड़ता है। आत्मा स्वयं शान्त स्वरूप, शान्तिधाम में रहने वाली है। यहाँ थोड़े समय के लिए शान्त रह सकते हैं। आत्मा कहती है मेरी कर्मेन्द्रियों का बाजा थक गया है। मैं अपने स्वधर्म में टिक जाता हूँ, शरीर से अलग हो जाता हूँ।

उत्तर 4- C - अहम आत्मा मम शरीर

आत्मा कहती है - मैं शान्ति देश की रहवासी हूँ। *सिर्फ यहाँ शरीर में आने से मैं टॉकी बना हूँ। अहम् आत्मा मम् शरीर है।* आत्मा ही पतित और पावन बनती है।

उत्तर 5- C - यूनिटी

पहले दीपकों की माला तो यहाँ ही तैयार होगी। बापदादा आप लोगों को हरेक का उमंग-उत्साह बढ़ाने का एग्जैम्पल समझते हैं। *आप लोगों की युनिटी ही यज्ञ का किला है।* चाहे 10 हो, चाहे 12 हो लेकिन किले की दीवार हो। तो बापदादा कितना खुश होंगे! बापदादा तो है ही, फिर भी निमित्त तो आप हो। ऐसा ही संगठन दूसरा, तीसरा ग्रुप बन जाये तो कमाल हो जाए।

उत्तर 6-D - तीनों

बस एक शब्द याद रखना - सबमें एक, एकमत, एकरस, एक बाप। भारत के बच्चों को भी बापदादा दिल से मुबारक दे रहे हैं। जैसा लक्ष्य रखा वैसे लक्षण प्रैक्टिकल में लाया।

उत्तर 7- D - स्वयं भगवान हमें पढ़ाता है।

सदा नशा और निश्चय रहे कि हमें पढ़ाने वाला कोई जिस्मानी टीचर नहीं। स्वयं ज्ञान सागर निराकार बाप टीचर बन हमें पढ़ा रहे हैं। इस पढ़ाई से ही हमें सतोप्रधान बनना है। ..... *हम भगवानुवाच ही सुनते हैं, स्वयं भगवान हमें पढ़ा रहे हैं'।* ....इस शुद्ध संकल्प में रहना है।

उत्तर 8 - B और C - श्रेष्ठ कर्मों की पूंजी और दुआएँ

शक्तियाँ जमा नहीं होती तो इतनी सेवा मुश्किल हो जाती। यह भी ड्रामा में हर आत्मा का पार्ट है। *जो श्रेष्ठ कर्म की पूँजी जमा होती है तो समय पर वह काम में आती है। कितनी आत्माओं की दुआयें भी मिल जाती हैं*, वह भी जमा होती हैं। कोई न कोई विशेष पुण्य की पूँजी जमा होने के कारण विशेष पार्ट है।

उत्तर 9- A - शांत होकर देखते रहो

भल कोई क्रोध भी करे परन्तु तुम नहीं बोलो। संन्यासी भी कहते हैं - मुख में ताबीज़ डाल दो, तो वह बोल-बोल कर चुप हो जायेगा। *बाप भी कहते हैं - कोई क्रोध से

बोले तो तुम शान्त होकर देखते रहो।* कोई भी हालत में तुम्हें शिवबाबा को याद करना है। ...जब कोई क्रोध करता है तो बहुत-बहुत शान्त रहना है। क्रोधी के साथ क्रोधी नहीं बन जाना है।

उत्तर 10 - पूजा पाठ

पतित-पावन परमात्मा आओ, आकर हमको रास्ता बताओ। दूसरे तरफ कहते गंगा पतित-पावनी है। *गंगा स्नान, यज्ञ-तप, यात्रा करना यह सब भगवान से मिलने के रास्ते हैं।* जबकि बुलाते हो परमात्मा को, फिर धक्के क्यों खाते हो! यह सब भक्ति मार्ग की नूँध है।

उत्तर 11 - B और C

बाप आकर समझाते हैं कि रूहानी बच्चों, तुम तो अविनाशी हो, परमधाम में रहने वाले हो, जहाँ से फिर आते हो यहाँ पार्ट बजाने। तुम दूरदेश के रहने वाले हो। *यह ड्रामा है, इसका नाम है हार-जीत का खेल। सुख-दु:ख का खेल।*

उत्तर 12-B - साइलेन्स में

जिनकी बुद्धि में एम आब्जेक्ट क्लीयर है। तुम्हारी एम-आब्जेक्ट है मुक्तिधाम में जाने की, उसके लिए शरीर से भी बुद्धियोग निकालना पड़े। *टॉकी, मूवी से भी परे साइलेन्स में रहने का अभ्यास करो* क्योंकि तुमको साइलेन्स अथवा निर्वाण में जाना है। ...टॉकी, मूवी और साइलेन्स। आगे मूवी नाटक भी थे, अब टॉकी बन गये हैं। तुम बच्चों को साइलेन्स सिखाई जाती है,

उत्तर 13- C - नीचे आया हुआ है।

यह झाड़ है ना। उस झाड़ का बीज नीचे रहता है, इनका बीज ऊपर में है। बाप को जब बुलाते हैं तो बुद्धि ऊपर चली जाती है। *जिससे तुम वर्सा ले रहे हो वह अब नीचे आया हुआ है।* कहते हैं मुझे आना पड़ता है।

उत्तर 14- C - पतित दुनिया के विनाश के लिए।

लोग कहते हैं - शान्ति हो, विनाश न हो और *बाप ने यह रूद्र ज्ञान यज्ञ रचा ही है पुरानी दुनिया के विनाश के लिए। * इसके बाद ही शान्ति की दुनिया आयेगी।

उत्तर 15- D - D- A और C

यह शिवबाबा का रचा हुआ अविनाशी रूद्र यज्ञ है, *इसमें तुम मनुष्य से देवता बनने के लिए पवित्र बनते हो, भक्ति आदि छोड़ते हो* इस कारण विघ्न पड़ते हैं।

उत्तर 16- B - क्योंकि बाप नया घर बना रहे हैं।

पुरानी दुनिया से वैराग्य। यह है बेहद का वैराग्य। उन्हों का है हद का वैराग्य। तुम जानते हो यह पुरानी दुनिया अब खत्म होने वाली है। नया घर बनाते हैं तो पुराने से वैराग्य हो जाता है। ....*इस पुरानी दुनिया से बेहद के वैरागी बनो क्योंकि बाप तुम्हारे लिए नया स्वर्ग रूपी घर बना रहे हैं।*

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (20) खण्ड -{40}

प्रश्न 1- नई दुनिया को क्या कहते हैं?

A- स्वर्ग

B- सुखधाम

C- रामराज्य

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 2 - बोझ उतारने वा मुश्किल को सहज करने का क्या साधन है ?

A- बाप की याद में मग्न रहना

B- देही- अभिमानी बनना

C- किसी से भी वाद- विवाद नहीं करना

D- बाप का हाथ और साथ रखना

प्रश्न 3 - तमोप्रधान से सतोप्रधान बनने के लिए क्या करना है?

A- बाप से ही रूहानी बातें सुननी है।

B- पुरुषार्थ पर अटेंशन देना है।

C- मामेकम याद करो

D- हीयर नो ईविल

प्रश्न 4- भक्ति और ज्ञान का फर्क कब पता चलेगा ?

A- जब भगवान आएगा

B- जब देही- अभिमानी बनेंगें

C- जब सम्पूर्ण बनेंगे

D- जब ज्ञान की पराकाष्ठा आयेगी

प्रश्न 5 - पुरानी दुनिया का विनाश कैसे होगा?

A- लड़ाई- झगड़े से

B- विकारों से

C- हिंसा से

D- महाभारत लड़ाई से

प्रश्न 6 - पढ़कर तैयार होने पर क्या हो जायेगा ?

A- सम्पूर्ण बन जायेंगे

B- महाभारत लड़ाई होगी

C- कर्मातीत अवस्था को प्राप्त कर लेंगें

D- विनाश शुरू होगा

प्रश्न 7- तुम अपने को क्या नहीं समझो?

A- मनुष्य

B- भक्त

C- शरीर

D- B और C

E- A,B और C

प्रश्न 8- निराकार का नाम क्या है?

A- शिव

B- रूद्र

C- पशुपतिनाथ

D- उपरोक्त सभी

के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें।*

प्रश्न 9- सभी आत्मायें हिसाब- किताब चुक्तू कर जायेंगी इसको कौनसा समय कहा जाता है?

A- विनाश का समय

B- कलियुग के अन्त का समय

C- कयामत का समय

D- बाप का आने का समय

*प्रश्न 10- * - जब मौत सामने आयेगा तब क्या आयेगा?

A- नेचुरल कैलेमिटीज

B- वैराग्य

C- फैमन

D- बाप की याद

प्रश्न 11- तुम्हारे में भी बहुतों को विनाश की भावी का निश्चय नहीं है। अगर होता तो...?

A- वैराग्य आ जाता

B- योग में अच्छी तरह रहते

C- सब कुछ समर्पण कर देते

D- भक्ति छोड़ देते

प्रश्न 12- तुम जानते हो कि सभी आत्मायें बेहद के बाप से पढ़ेंगी नहीं लेकिन....?

A- चक्रवती राजा बन सकती हैं

B- पढ़ाई का कदर करेंगी

C- सबको पैगाम देंगी

D- साथ जाएंगी

प्रश्न 13- सृष्टि कहाँ है?

A- फर्स्ट प्लोर

B- सेकण्ड प्लोर

C- थर्ड फ्लोर

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- धुरिया किसे कहा जाता है?

A- सृष्टि चक्र को

B- ज्ञान की रिमझिम को

C- देवी- देवता घराना को

D- त्रिमूर्ति को

प्रश्न 15- .....से बाप का वर्सा गुम हो जाता है ?

A- श्रीमत पर ना चलने से

B- पतित बनने से

C- सर्वव्यापी कहने से

D- बाप की अवज्ञा करने से

प्रश्न 16- जो पूज्य थे वही पुजारी बनें फिर..... बनेंगे?

A- पतित

B- पूज्य

C- ब्राह्मण

D- फरिश्ता

भाग (20) खण्ड {40} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- A - स्वर्ग

बाप अपना परिचय दे रहे हैं। मैं तुम्हारा बाप हूँ। अभी यह है नर्क। *नई दुनिया को स्वर्ग कहा जाता है।* ऐसे कैसे कहेंगे कि यहाँ ही स्वर्ग नर्क है, जिनको बहुत धन है वह स्वर्ग में हैं। स्वर्ग तो होता ही है नई दुनिया में।

उत्तर 2- D - बाप का हाथ और साथ रखना

समझना चाहिए हर कर्म में बापदादा मेरे साथ भी है और हमारे इस अलौकिक जीवन का हाथ उनके हाथ में है अर्थात् जीवन उनके हवाले है। ज़िम्मेवारी उनकी हो जाती है। सभी बोझ बाप के ऊपर रख अपने को हल्का कर देना चाहिए। बोझ ही न होगा तो कुछ मुश्किल लगेगा? *बोझ उतारने वा मुश्किल को सहज करने का साधन है - बाप का हाथ और साथ।* यह तो सहज है ना।

उत्तर 3- C - मामेकम याद करो

यहाँ स्वर्ग कहाँ से आया इसलिए हम कोई मनुष्यों की बात सुनते नहीं। बाप कहते हैं तुमको *तमोप्रधान से सतोप्रधान बनना है तो मामेकम् याद करो।* सारा दिन बुद्धि में यह नॉलेज रहनी चाहिए।

उत्तर 4- D- जब ज्ञान की पराकाष्ठा आयेगी

जिसने बहुत भक्ति शुरू से लेकर अन्त तक की है, वही नम्बरवन ऊपर जायेंगे।बाप ऐसे नहीं कहते कि भक्ति छोड़ो। *जब ज्ञान की पराकाष्ठा आयेगी तो आपेही समझेंगे कि यह भक्ति और यह ज्ञान है।*

उत्तर 5- D - महाभारत लड़ाई से

महाभारत लड़ाई भी लिखी हुई है, बहुत आफतें आयेंगी। नेचुरल कैलेमिटीज़ आयेगी। *पुरानी दुनिया खत्म होगी।* यह वही बाम्बस, मिसाइल्स हैं, यह वही विनाश का समय है जबकि भगवान ने आकर रूद्र ज्ञान यज्ञ रचा था,

जिससे विनाश ज्वाला निकली।.... ... महाभारत लड़ाई जरूर लगनी चाहिए, जो पतित दुनिया खत्म हो जाए।

उत्तर 6- D - विनाश शुरू होगा

तुम जानते हो रावण राज्य खत्म होता है। तुमको बाबा राजयोग सिखलाते हैं। *जब पढ़ाई पूरी होती है तब विनाश होता है,* जिसका नाम महाभारत रखा है।

उत्तर 7- C - शरीर

इस शरीर को न देख आत्मा को देखो, अपने को आत्मा समझ आत्मा से बात करो, इस अवस्था को जमाना है, यही ऊंची मंजिल है" .... तुम बच्चे अपने को आत्मा समझते हो, बाप को याद करते हो, ऐसे और कोई याद नहीं कर सकते होंगे । कोई भी आत्मा का योग बाप के साथ है नहीं । कहते भी हैं हम भाई- भाई हैं तो *आत्मा को ही देखना चाहिए । शरीर को नहीं देखना चाहिए।* यह बहुत बड़ी मंजिल है।

उत्तर 8- A - शिव

ड्रामा प्लैन अनुसार *मुझ आत्मा का नाम शिव है। मैं हूँ निराकार।* मुझे बुलाते ही हैं - शिवबाबा। असुल मेरा नाम एक ही है। बाकी भिन्न-भिन्न नाम रख दिये हैं। मेरा नाम कोई रूद्र है नहीं। न कृष्ण ने कोई यज्ञ रचा है। यह सब है झूठ।

उत्तर 9- C - कयामत का समय

यह वही महाभारत लड़ाई है। *सभी आत्मायें हिसाब-किताब चुक्तू कर जायेंगी, इसको कयामत का समय कहा जाता है।* इतने सब शरीर खत्म होंगे। नेचुरल कैलेमिटीज होनी है, यह भी ड्रामा में नूँध है। नई बात नही हैं। फैमन (अकाल) के कारण मनुष्य भूखों मरते हैं।

उत्तर 10- B - वैराग्य

मनुष्य मौत से कितना डरते हैं। लाइफ को बचाने के लिए दुआयें माँगते रहते हैं। अभी तो ढेर मरने वाले हैं। उनके लिए क्या कहेंगे! बाप को बुलाया ही इसलिए है कि बाबा हमको पावन दुनिया में ले चलो। ..... आगे चलकर बहुत याद करने लग पड़ेंगे। *जब मौत सामने आयेगा फिर वैराग्य आयेगा।*

उत्तर 11 - B योग में अच्छी तरह रहते

पहले ये बाम्ब्स नहीं थे, अब निकले हैं इसलिए यह सारी धम-धम मच रही है। अब यह तुम जानते हो - यह सब है भावी। *तुम्हारे में भी बहुतों को विनाश की भावी का निश्चय नहीं है। अगर होता तो योग में बहुत अच्छी तरह रहते।* योगबल से विश्व की बादशाही लेनी है।

उत्तर 12- D - साथ जाएंगी

तुम जानते हो कि सभी आत्मायें बेहद के बाप से पढ़ेंगी नहीं लेकिन साथ में जरूर जायेंगी।.... यह बाप बैठ समझाते हैं, सबको तो नहीं पढ़ायेंगे। परन्तु सबको साथ

जरूर ले जायेंगे। ड्रामा प्लैन अनुसार मैं बाँधा हुआ हूँ ले जाने के लिए। दुनिया यह नहीं जानती कि पुरानी दुनिया खत्म होने वाली है।

उत्तर 13- थर्ड फ्लोर

बाप कहते हैं - घर-घर में पैगाम दो कि ऊंचे ते ऊंचा है बाप। फर्स्ट फ्लोर मूलवतन, सेकेण्ड फ्लोर सूक्ष्मवतन। *थर्ड फ्लोर है यह साकारी* दुनिया। अगर इन फ्लोर्स की भी बच्चों को याद रहे तो पहले बाबा जरूर याद पड़े।

उत्तर 14 - B ज्ञान की रिमझिम को

तुम्हारे लिए यह ज्ञान और विज्ञान ही होली-धूरिया है। वे लोग भी होली और धुरिया मनाते हैं लेकिन उसका अर्थ क्या है, यह भी कोई नहीं जानते। *वास्तव में यह ज्ञान और विज्ञान है,* जिससे तुम अपने को बहुत ऊंच बनाते हो।

उत्तर 15- C - सर्वव्यापी कहने से

अब तुम बच्चे जानते हो - बाप आया हुआ है, *उससे हमको वर्सा मिलता है।* बाकी *मनुष्य तो बाप को जानते ही नहीं। सर्वव्यापी कह देते हैं।*

उत्तर 16- B - पूज्य

इस संगम को पुरुषोत्तम युग कहा जाता है। उत्तम से उत्तम पुरुष भी हैं। बाकी सब हैं कनिष्ट। *जो पूज्य थे वही फिर पुजारी बने हैं।* .....तुम जानते हो *हम सो पूज्य थे फिर पुजारी बनें, अब फिर पूज्य बनते हैं।* वहाँ यह नॉलेज नहीं होगी, न यह शास्त्र आदि होंगे। सब खत्म हो जायेंगे।